

मराध्यदेश लोक सेवा आयोग
टैक्सिडेंसी एरिया
इन्दौर

क्रमांक—...../10/2014/पनि(नौ)

इन्दौर, दिनांक

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03/परीक्षा /2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26/14 अपराध क्रमांक 14/14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समक्ष आपका बयान भी दर्ज हुआ है। आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है। इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था। जिसका उत्तर आपसे आज दिनांक तक अप्राप्त है।

2/ आयोग द्वारा विचारोपरात आपकी सुनावाई का अवसर समाप्त किया जाता है तथा यह पाया जाता है कि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है। क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है।

विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दोषी होने/न होने के संबंध में निर्णय लिया जावेगा। परंतु आपके विरुद्ध आई साक्ष्य एवं विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप संलिप्त हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रमाणित करता है। इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रमाणित हुई है।

3/ अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कण्ठका 16 सहपठित मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कण्ठका 14 (ल) एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहं पाता है।

4/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहं घोषित किया जाता है।
(डॉ. आर.आर.कान्हेरे)
परीक्षा नियंत्रक

पू क्रमांक— 23/10/2014/पनि (नौ)
प्रतिलिपि:- 1. शोएब अली 834, खातीयाला टैक्सी एवं रोड, इन्दौर (म.प्र.)
2. समस्त लोक सेवा आयोग
ओर सूचनार्थ प्रेषित।

इन्दौर, दिनांक 01-07-2016

परीक्षा नियंत्रक
S
परीक्षा नियंत्रक

मत्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
टैसिडेंसी परिषा
इन्डौर

क्रमांक—...../10/2014/पनि(दस)

इन्दौर, दिनांक

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समबंध आपका बयान भी दर्ज हुआ है। आपके विरुद्ध अपराध पंजीकृत है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है। इस आधार पर आपको दिनांक 10.11.2015 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था। जिसका उत्तर आपसे आज दिनांक तक अप्राप्त है।

विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दोषी होने/न होने के संबंध में निर्णय लिया जावेगा। परंतु आपके विरुद्ध आई साक्ष्य एवं विवेचना में उक्त अपराध में साझ्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप संलिप्त हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रमाणित करता है। इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रमाणित हुई है।

3/ अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कार्डिका 16 सहपरित मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कार्डिका 14 (ठ) एक में प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहृ पाता है।

4/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहृ घोषित किया जाता है।

(डॉ. आर.आर.काहरे)
परीक्षा नियंत्रक

इन्दौर, दिनांक 08-07-2016

पृ० क्रमांक—३५०/10/2014/पनि (दस)

प्रतिलिपि— 1. अवधेश पाराशर, चू. शिव कॉलोनी रिलायन्स टॉवर के पास, बायपास रोड, शियुरी.
2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित।

गु
परीक्षा नियंत्रक

आयोगदेश लोक लेका आयोग

टेलीडॉली उत्तरा

क्रमांक—..... / 10 / 2014 / पनि(छः)

इन्दौर, दिनांक

:आदेशः:

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक-26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है । इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समक्ष आपका बयान भी दर्ज हुआ है । इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था । जिसका उत्तर आपने दिनांक 03.06.2016 को दिया गया है आपने उत्तर में कहा है कि :-

“आवेदक” पर जो आरोप लगाया गया है कि इस अपराध की विवेचना में मुझे घर्मवीर दिनकर को भी संलिप्त पाया जाकर यह पाया गया कि मेरे द्वारा उक्त परीक्षा के पूर्व किसी भी रीत से राज्य सेवा परीक्षा 2012 की मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परीक्षा पूर्व ही प्राप्त किये थे । पुलिस थाना,एस.टी.एफ.भोपाल ने धारा 27 का मेमोरेंडम जो चालान के साथ में प्रस्तुत किया है वह आवेदक के सामने नहीं लिखा गया था । आवेदक से केवल कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवा तिये गये थे । अतः आवेदक के खिलाफ निकाला गया कारण बताओं सूचना पत्र निरस्त किया जाय ।

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है । अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की ग्राहयता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्ज आपराधिक रूप से दोषी होने/न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा । परंतु आपके विरुद्ध संस्थित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस द्वारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप संलिप्त हैं और आपका कूल्य परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करता है । इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रभावित हुई है ।

अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिडका 16 सहपठित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिडका 14 (ट) एक में प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं पाता है ।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं घोषित किया जाता है ।

(डॉ आर.आर.कान्हेरे)
परीक्षा नियन्त्रक
इन्दौर, दिनांक ०१-०१-२०१६

पृ० क्रमांक—३२७ / 10 / 2014 / पनि (छ)

प्रतिलिपि— 1. घर्मवीर दिनकर, पिता श्री-बालमुकुंद दिनकर, एच.एच. चौराहा हरदेव सिंह की टाल,

मुरार, गवालियर (म.प्र.)

2. समस्त लोक सेवा आयोग

ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

परीक्षा नियन्त्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

टेसीटेसी एटिटा

क्रमांक— 10 / 2014 / पनि(पौध)

इन्दौर, दिनांक

...आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा—2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा—2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध घालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समक्ष आपका बयान भी दर्ज हुआ है। इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था। जिसका उत्तर आपने दिनांक 07.06.2016 को दिया गया है आपने अपने उत्तर में कहा है कि :-

पुलिस एस.टी.एफ द्वारा प्रार्थी पर दबाव डालकर और भय दिखाकर प्रार्थी से कोरे कागजालों पर जबरन हस्ताक्षर करा लिये गये प्रार्थी द्वारा जिस प्रकार की जानकारी पुलिस एस.टी.एफ द्वारा देना बताई गई है इस प्रकार की कोई जानकारी प्रार्थी द्वारा पुलिस एस.टी.एफ को नहीं दी गई है। किसी भी प्रार्थी को उसके नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त से विचित नहीं किया जा सकता जब तक मामला न्यायालय में दोषसिद्ध / दोषमुक्त नहीं कर देते।"

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की ग्राह्यता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संवधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्ज आपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा। परंतु आपके विरुद्ध संस्थित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस द्वारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप सलिल हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शृंखिता को प्रभावित करता है। इस तरह आपकी संलिपता से आयोग हारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुद्धिता प्रभावित हुई है।

अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनाका 16 सहपठित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिनाका 14 (ल) एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2015 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनह पाता है।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनह घोषित किया जाता है।

(डॉ. आर.आर.कान्हेरी)
परीक्षा नियंत्रक

इन्दौर, दिनांक 09-07-2014

प० क्रमांक 326 / 10 / 2014 / पनि (पौध)

प्रतिलिपि:- 1. दिनेश रघुवरी, पिता श्री—समवायू रघुवरी, शिव दुर्गा मंदिर के पास, हनुमान कॉलोनी,

जिला गुना (म.प्र.)

2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित।

परीक्षा नियंत्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

इन्दौर

क्रमांक—..... / 10 / 2014 / पनि(आठ)

इन्दौर, दिनांक

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकारण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समझ आपका बयान भी दर्ज हुआ है। इस हेतु आपसे दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र जारी करते हुए 15 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण चाहा गया था। किन्तु आपसे प्रत्युत्तर आज दिनांक तक अप्राप्त है।

2/ आयोग द्वारा विचारोपांत आपकी सुनवाई का अवसर समाप्त किया जाता है तथा यह पाया जाता है कि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है। क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाई गई है। विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय लिया जायेगा। परंतु आपके विरुद्ध आई साक्ष्य एवं विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकारण में आप सलिल हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करता है। इस तरह आपकी सलिलता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रभावित हुई है।

3/ अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कण्ठिका 16 सहपाठित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कण्ठिका 14 (र) एक में प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनर्ह पाता है।

4/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनर्ह घोषित किया जाता है।

(डॉ. आर.आर.काहेरे)
परीक्षा नियंत्रक

इन्दौर, दिनांक 09-07-2016

पृष्ठ क्रमांक— १३८ / 10 / 2014 / पनि (आठ)
प्रतिलिपि— 1. हेमंत गौतम सुनरख रमनरेती वृन्दावन, मथुरा (उ.प्र.)
2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित।

SN

परीक्षा नियंत्रक

मत्यप्रदेश लोक सभा अधिकार टैलींगंडी बिहार

क्रमांक-

/ 10 / 2014 / पनि(सात)

इन्दौर, दिनांक

कुलस्ती

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है । इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समक्ष आपका वयान भी दर्ज हुआ है । इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था । जिसका उत्तर आपने दिनांक 07.06.2016 को दिया गया है आपने अपने उत्तर में कहा है कि :-

पुलिस एस.टी.एफ द्वारा प्रार्थी पर दबाव डालकर और भय दिखाकर प्रार्थी से कोरे कानूनों पर जबरन हस्ताक्षर करा लिये गये प्रार्थी द्वारा जिस प्रकार की जानकारी पुलिस एस.टी.एफ द्वारा देना बहाई गई है इस प्रकार की कोई जानकारी प्रार्थी द्वारा पुलिस एस.टी.एफ को नहीं दी गई है । किसी भी प्रार्थी को उसके नैसर्गिक त्वय के सिद्धान्त से बंचित नहीं किया जा सकता जब तक मामला न्यायालय में दोषसिद्ध / दोषमुक्त नहीं कर देते ।

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है । अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की याहूतता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्ज आपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जातेगा । परन्तु आपके विरुद्ध सौरिधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस द्वारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप सलिल्प हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रमाणित करता है । इस तरह आपकी सलिलता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रमाणित हुई है ।

अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनका 16 सहपरित मत्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिनका 14 (ट) एक मैं प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मत्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहं पाता है ।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मत्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहं घोषित किया जाता है ।

(डॉ आर.आर.कान्हेरे)
परीक्षा नियंत्रक

प० क्रमांक- १५३ / 10 / 2014 / पनि (सात)
प्रतिलिपि- 1. प्रमोद शर्मा, पिता श्री-पूर्णचंद शर्मा, हरिओम आटा चवकी के पास,
हनुमान कोलोनी जिला गुना (म.प्र.)
2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित ।

इन्दौर, दिनांक ०१-०८-२०१५
गु.

परीक्षा नियंत्रक

टेलीकॉम इंडिया

क्रमांक—..... / 10 / 2014 / पनि(दो)

इन्हौर, दिनांक

::आदेश::

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिता थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समझ आपका वयन भी दर्ज हुआ है। इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताऊं सूचना पत्र दिया गया था। जिसका उत्तर आपने दिनांक 23.06.2016 को दिया गया है आपने अपने उत्तर में कहा है कि :-

"आयोदिका के विरुद्ध थाना एस.टी.एफ. भोपाल हारा अप.क्ल. 14 / 2014 के तहत कार्यवाही / विवेचना उपरोक्त उसके विरुद्ध माननीय मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी महोदय भोपाल के समझ अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। किन्तु आयोदिका हारा थाना एस.टी.एफ. पुलिस को कार्रित मेमोरेंडम दिया गया था। जबकि वास्तविकता यह है कि संविधित पुलिस हारा आयोदिका को हरा धमकाकार उससे कुछ कोरे पेपर पर हस्ताक्षर करवाये गये थे। आयोदिका हारा कभी भी कोई अपराध कार्रित नहीं किया गया है।

2 / आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस हारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की ग्राहयता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संविधित न्यायालय हारा आपके विरुद्ध दर्ज आपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा। परंतु आपके विरुद्ध संविधित न्यायालय के समझ प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस हारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप सलिल हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रमाणित करता है। इस तरह आपकी सलिलता से आयोग हारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रमाणित हुई है।

अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनका 16 सहप्रतित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिनका 14 (द) एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञप्ति समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं पाता है।

3 / अतः आपको आयोग हारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञप्ति समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं घोषित किया जाता है।

(डॉ आर.आर.कान्हेरे)
परीक्षा नियंत्रक

इन्हौर, दिनांक 03-07-2014

प्रतिलिपि— 1. प्रशा सिंह भद्रौरिया पिता श्री-जितेन्द्र सिंह भद्रौरिया सी-105, बैशाही नगर,
थाना अन्नपूर्णा, इंदौर (म.प्र.)

2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित।

परीक्षा नियंत्रक

क्रमांक-३३.../१०/२०१४ / पनि(एक)

इन्दौर,दिनांक ०९/०२/२०१६

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 /परीक्षा /2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आप को आरोपी बनाया है । इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के सम्बन्ध आपका बयान भी दर्ज हुआ है । इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था । जिसका उत्तर आपने दिनांक 09.06.2016 को दिया गया है अपने उत्तर में कहा है कि :-

“जो आरोप प्रार्थी पर लगाये गये है वह बिना किसी तथ्य व जानकारी के लगाये है । प्रार्थी को इस प्रकार के किसी भी अपराध की कोई जानकारी नहीं है । पुलिस एस.टी.एफ द्वारा तथाकथित धारा-27 साक्ष्य विधान का मेमोरेन्डम प्रार्थी से लेना बताया गया है । उक्त मेमोरेन्डम साक्ष्य में ग्राह्य नहीं है और उक्त मेमोरेन्डम के तथ्यों के आधार पर प्रार्थी के विरुद्ध किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही प्रचलित नहीं की जा सकती ।

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है । अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की ग्राह्यता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संविधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्ज अपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा । परंतु आपके विरुद्ध संस्थित न्यायालय के समझ प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस द्वारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप सलिल हैं और आपका कृत्य परीक्षा की इच्छिता को प्रभावित करता है । इस तरह आपकी सलिलता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रभावित हुई है ।

अतः आयोग तत्समय प्रतुत मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनका 16 सहपरित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा 2015 की कठिनका 14 (ट) एक में प्रदत्त शाकितयों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनाहं पाता है ।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनाहं घोषित किया जाता है ।

(लौं आर.आर.कान्हेरे)
परीक्षा नियंत्रक

इन्दौर, दिनांक ०९-०२-२०१६
प्रतिलिपि- 1. सपना जैन, पिता श्री चक्रेश जैन, दुर्गावती चार्ड, ४ बाजार चौक, लखनादौन, सिवनी (म.प्र.) की
2. समस्त लोक सेवा आयोग
ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

परीक्षा नियंत्रक

गणराज्य लोक लेना आयोग टेलीडेटी उरिक डब्लैट

क्रमांक—..... / 10 / 2014 / पनि(चार)

इन्दौर, दिनांक

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । जिला धाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके पिरुड चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है । इस प्रकारण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के सम्बन्ध आपका बयान भी दर्ज हुआ है । इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताऊं सूचना पत्र दिया गया था । जिसका उत्तर आपने दिनांक 03.06.2016 को दिया गया है अपने अपने उत्तर में कहा है कि :-

“आयोग द्वारा जो कारण बताओ सूचना पत्र दिया गया है वह धारा 27 साइर्य विधान के आधार पर दिया गया है तथा धारा 27 साइर्य विधान के अन्तर्गत दी गई जानकारी साइर्य में ग्राह्य नहीं है ।”

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपरान्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है य पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साइर्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है । अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साइर्य की ग्राह्यता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संवित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्ज आपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा । परंतु आपके विरुद्ध संरिखित न्यायालय के समस्त प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस द्वारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साइर्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकारण में आप संलिप्त हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुरुआत को प्रभावित करता है । इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुरूआत प्रभावित हुई है ।

अतः आयोग तत्समय प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनिका 16 सहप्रित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिनिका 14 (८) एक में प्रदत्त शाखियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं पाता है ।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित साइर्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं घोषित किया जाता है ।

(डॉ. आर.आर.काहिरे)
परीक्षा नियंत्रक

पृष्ठा ३५१ / १० / २०१४ / पनि (चार)

इन्दौर, दिनांक ०१-०७-१८

प्रतिलिपि- 1. श्री शरद गुप्ता पिता श्री-रामेश्वर गुप्ता एच.एफ. 383, स्कॉम नं. 54, विजय नगर,

इन्दौर (म.प्र.)

2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ प्रेषित ।

परीक्षा नियंत्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
टेरीडेंटी एटिया
इन्दौर

क्रमांक—..... / 10 / 2014 / पनि(ग्यारह)

इन्दौर, दिनांक

::आदेश::

राज्य सेवा परीक्षा-2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी। जिला थाना एस.टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध चालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है। इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के सम्बन्ध आपका बयान भी दर्ज हुआ है। इस आधार पर आपको दिनांक 10.11.2015 को कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया था। जिसका उत्तर आपसे आज दिनांक तक अप्राप्त है। क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है।

विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय लिया जावेगा। परंतु आपके विरुद्ध आई साक्ष्य एवं विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप संलिप्त हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करता है। इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की निषिक्षता एवं शुचिता प्रभावित हुई है।

3 / अतः आयोग तत्सम्य प्रवृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनका 16 सहप्रठित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा 2015 की कठिनका 14 (ल) एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं पाला है।

4 / अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं घोषित किया जाता है।



(डॉ. आर.आर.कान्हे)
परीक्षा नियंत्रक

०५-०८-२०१६

पृष्ठा क्रमांक— १५१ / 10 / 2014 / पनि (ग्यारह)

प्रतिलिपि— 1. सुमित शिवहरे, मं.नं. 137 / 37, कमला गंज के पीछे, शिवपुरी।
2. समस्त लोक सेवा आयोग
और सूचनार्थ ग्रंथित।

परीक्षा नियंत्रक

**आयोग लोक सेवा आयोग
टेलिफोन सेवा
इन्डॉर**

क्रमांक— / 10 / 2014 / पनि(तीन)

इन्डॉर, दिनांक

आदेशः

राज्य सेवा परीक्षा—2012 हेतु विज्ञापन क्रमांक 03 / परीक्षा / 2012 दिनांक 01.10.2012 जारी किया गया था । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा—2012 दिनांक 01.10.2013 से 25.10.2013 तक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । जिला थाना एस टी.एफ. भोपाल ने आपके विरुद्ध थालान क्रमांक 26 / 14 अपराध क्रमांक 14 / 14 के तहत आपको आरोपी बनाया है । इस प्रकरण में पुलिस अधिकारी एवं गवाहान के समक्ष आपका बयान भी दर्ज हुआ है । इस आधार पर आपको दिनांक 20.05.2016 को कारण बताओं सेवना पत्र दिया गया था । जिसका उत्तर आपने दिनांक 17.06.2016 को दिया गया है आपने अपने उत्तर में कहा है कि :—

“आपके पत्र में उल्लेखित तथ्यों को अस्वीकार करता हूँ और निवेदन करता हूँ कि आवेदक का प्रकरण आर.टी.क. 9283 / 14 माननीय न्यायालय के समझ परीक्षण हेतु लायित है और इस स्थित में जब कोई प्रकरण न्यायालय में लायित होता है तब किसी भी अन्य संस्था द्वारा उस पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है और आगर ऐसा किया जाता है तो वह प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों का उल्लंघन है । अतः आवेदक का उत्तर स्वीकार किया जाय और उसे 2012 की साक्षात्कार में सम्मिलित किया जाय ।”

2/ आपका उपरोक्त उत्तर आयोग द्वारा विचारोपनन्त समाधानकारक एवं संतोषप्रद नहीं पाया गया क्योंकि आपके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध है व पुलिस द्वारा की गई विवेचना में प्रथम दृष्टतया आपके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है । अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्य की ग्राहयता एवं उसकी विवेचना के आधार पर संबंधित न्यायालय द्वारा आपके विरुद्ध दर्जे अपराधिक रूप से दोषी होने / न होने के संबंध में निर्णय किया जावेगा । परंतु आपके विरुद्ध संस्थित न्यायालय के समझ प्रस्तुत एस.टी.एफ. पुलिस हारा आरोप पत्र के साथ की गई विवेचना में उक्त अपराध में साक्ष्य के आधार पर यह स्पष्ट है कि इस प्रकरण में आप संलिप्त हैं और आपका कृत्य परीक्षा की शुचिता को प्रमाणित करता है । इस तरह आपकी संलिप्तता से आयोग हारा आयोजित परीक्षा की निष्पक्षता एवं शुचिता प्रमाणित हुई है ।

अतः आयोग तत्समय प्रदृत्त मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2008 की कठिनका 16 सहपतित मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 की कठिनका 14 (ल) एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से दिनांक 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं पाता है ।

3/ अतः आपको आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2012 एवं दिनांक 01.10.2013 से 01.10.2015 के मध्य आयोजित एवं विज्ञापित समस्त परीक्षाओं के लिए अनहूं घोषित किया जाता है ।

(डॉ. आर.आर.कांड्रे)
परीक्षा नियंत्रक

इन्डॉर, दिनांक ०१-०८-२०१६

पृष्ठ क्रमांक— ३३५ / १० / २०१४ / पनि (तीन)

प्रतिलिपि— 1. उदय सिंह धाकड़, पिता श्री—समबाबू, धाकड़ थाम पोस्ट बरखेडा, गिर्द थाना, लज्जारंगाड़ जिला गुना (म.प्र.)

2. समस्त लोक सेवा आयोग
ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

परीक्षा नियंत्रक